PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर ३

पासवर्ड क्या है!

Author: Vahishta Mistry
Illustrator: Radhika Tipnis
Translator: Sadaf Jafar

मंजू को ताले और कुंजियाँ बहुत आकर्षित करते थे। ताले में घूमती कुंजी के नरम धातु की ध्वनि उसे उल्लास से भर देती थी। माँ की साड़ी के आँचल से बंधा वो चाबियों का गुच्छा उसका पसंदीदा खिलौना था।

मंजू को चाबी वाले छेद में झाँकना बहुत अच्छा लगता था।

हर दिन, मंजू स्कूल जाने के रास्ते में रंजीत की दुकान पर जा पहुँचती। रंजीत गाँव में ताले और चाबियों को बनाने का काम करता था। मंजू को नयी चाबियाँ बनाते वक़्त आती उसके औज़ारों की आवाज़ बहुत भाती थी।

एक दिन, माँ को अपनी अलमारी के लिए एक नई कुंजी की ज़रुरत पड़ी।
मंजू उनके साथ रंजीत की दुकान पर गई।
उसने देखा कि कैसे रंजीत ने धातु के टुकड़े से चाबी बनाई। “यह क्या है?” मंजू ने पूछा।

रंजीत ने उत्तर दिया, “यह एक सादी कुंजी है।”

फिर उसने मम्मी की चाबी को उठाकर कर कहा, “क्या ये नुकीले टुकड़े पहाड़ों की तरह नहीं दिखते हैं? और यह दबे हुए हिस्से घाटियों की तरह लगते हैं, है न? तुम्हारी अलमारी के ताले के अंदर भी इसी के जैसे पहाड़ और घाटियाँ हैं। कुंजी के पहाड़ और घाटियाँ उस ताले के अनुरूप हैं। तो जब भी तुम चाबी ताले में घुमाती हो वो खुल जाता है।

मैं पुरानी चाबी के पहाड़ों और घाटियों की एक नई प्रतिलिपि बना रहा हूँ ताकि नई कुंजी भी अलमारी को खोल सके।”

घर वापस आकर, मंजू ताला बनाने वाले के बारे में बात करने से खुद को रोक नहीं पा रही थी। उसने आते ही पड़ोस में रहने वाली आंटी को बताया। यहाँ तक कि उसने अपनी बिल्ली को भी बताया, जो उसकी ओर ऊबकर देखने लगी। जब उसकी चचेरी बहन रिजु उस शाम को मिलने घर आई, उसने उसे भी बताया। रीजु इंजीनियरिंग का अध्ययन कर रही थी।

“आप जानती हैं, रिजु दीदी,” मंजू ने कहा, “यदि आप ताले के लिए एक नई कुंजी बनाना चाहती हैं, तो आपको पुरानी चाबी जैसे पहाड़ और घाटियों को सादी कुंजी पर बनाना होगा?”

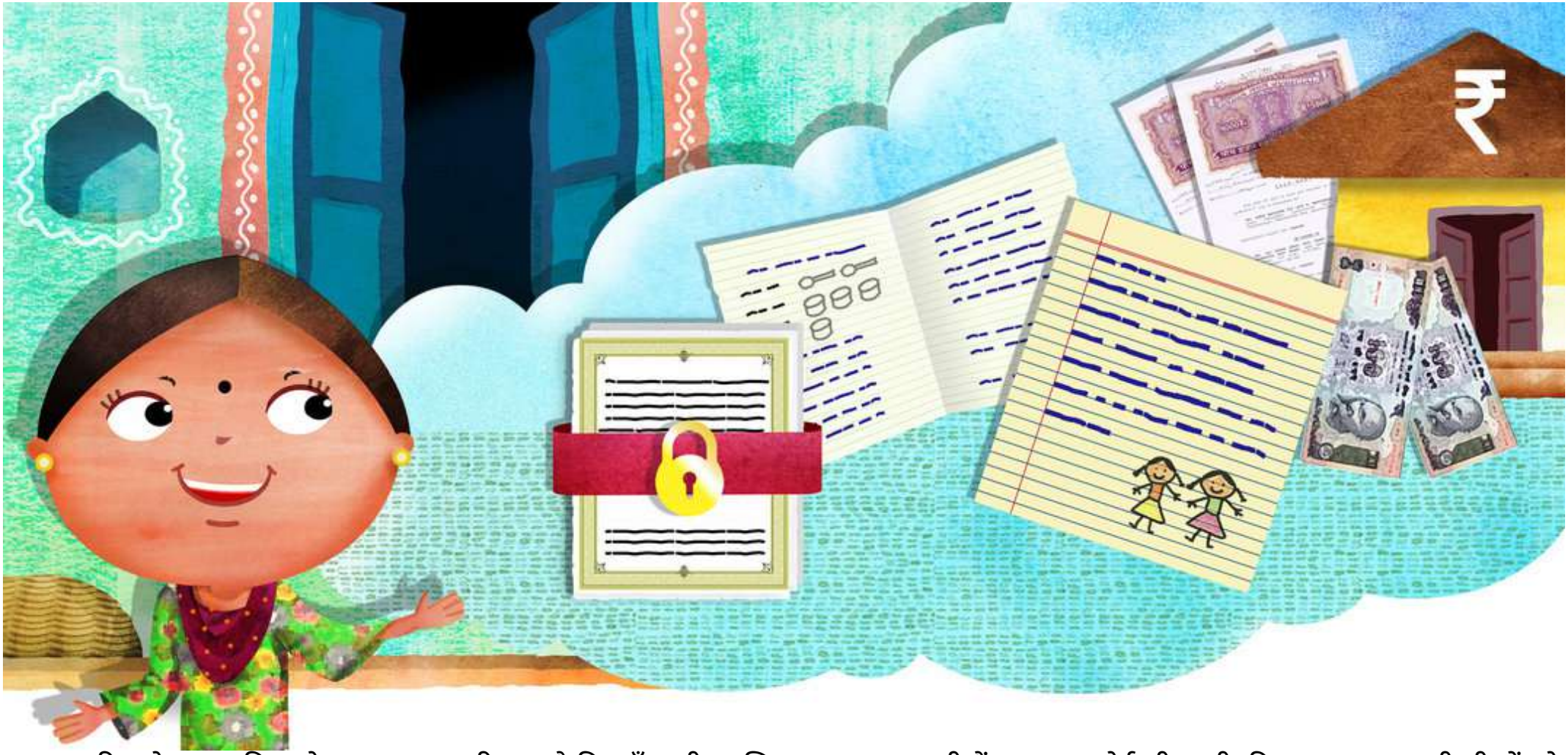

“सच?” रिजु ने कहा “फिर तो यह बहुत अच्छी बात है कि माँ चाबी सुरक्षित जगह पर रखती हैं, अन्यथा कोई भी चाबी की नक़ल कर हमारी चीज़ों को चोरी कर सकता है!”
“वो तो सच है!”

रिजु ने कहा, “मैं एक ऐसी ही चीज़ के बारे में पढ़ रही हूँ।”

मंजू ने पूछा, “क्या, चाबियाँ बनाना?”
“कुछ उस ही के समान है,” रिजु ने उत्तर दिया, “जिन चीज़ों को हम सुरक्षित रखना चाहते हैं, उन्हें ताले में बंद रखते हैं, जैसे कि हमारी अलमारी में साड़ियों को। ठीक है?”
मंजू ने सिर हिलाया।
“मगर क्या हो अगर वो चीज़ जिसे आप सुरक्षित रखना चाहते हैं वो कोई जानकारी हो?”
“किस तरह की जानकारी रिजू दीदी?” मंजु से पूछा।
“जैसे आपके बैंक खाते में कितने पैसे हैं या अपने सबसे अच्छे दोस्त का कोई राज़ या व्यंजनों की नोटबुक जो हमारी दादी ने तुम्हारी माँ को दी हो।”

“ओह, हाँ,” मंजू ने सहमती दी।

“यदि हमें इस जानकारी को सुरक्षित रखना है, तो हमें इसे ताले में बंद किसी सुरक्षित स्थान पर रखना होगा! ऐसी कई सुरक्षित जगहें हैं जैसे मेरा कंप्यूटर, जहाँ मैं अपने कॉलेज में लिखी-पढ़ी चीज़ें रखती हूँ,” रिजू ने बताया। उसने अपना लैपटॉप खोला। “मेरा काम देखने के लिए, आपको यहाँ पासवर्ड टाइप करना होगा!” रिजु ने कहा।

“ये पासवर्ड क्या होता है?” मंजू जानना चाहा।

“पासवर्ड कुंजी की तरह है। अलमारी का ताला केवल तब खुलता है जब चाबी का पैटर्न ताले में फिट बैठता है। मेरा कंप्यूटर केवल तभी खुलता यदि मेरा लिखा हुआ पासवर्ड उस पासवर्ड से मेल खाता है जो मैंने निर्धारित किया है। यदि आप किसी को भी अपना पासवर्ड बता देते हैं, तो वे भी इसे खोल सकते हैं! तो आपको बहुत सावधान रहना होगा कि आप अपना पासवर्ड किसे देते हैं।”

“हाँ... जब मुझे अपना कंप्यूटर मिलेगा, तो मुझे अपना पासवर्ड क्या रखना चाहिए?” मंजू ने पूछा।

“कुछ लोगों के पासवर्ड का अनुमान लगाना आसान होता है - उनकी जन्म तिथी, उनके पालतू जानवर का नाम, या उनकी सड़क का नाम। अच्छे पासवर्ड का अनुमान लगाना मुश्किल होता है।
जितना लंबा होता है, उतना ही अंदाज़ा लगाना कठिन होता है। अच्छे पासवर्ड में अक्षर और संख्याएं दोनों होती हैं।
लेकिन पासवर्ड याद रखने में आसान होना चाहिए।”
तभी, माँ ने रिजू को आवाज़ दी, जो अपनी चाची से मिलने भागकर चली गयी।
टिंग! रिजु का मोबाइल बोल पड़ा।

यह क्या हो सकता है? एक नया खेल? रिजु के पास सबसे अच्छे खेल होते हैं! मंजू अक्सर अपनी बहन को मोबाइल पर खेल खेलने देने के लिए परेशान करती रहती है। आज वो खुद खेल सकेगी।

मंजू ने फोन पर एक बटन दबाया। स्क्रीन पर रौशनी जल उठी। संख्याओं के साथ एक कीपैड दिखाई दिया। यहाँ एक पासवर्ड की जरूरत है!

उसने १२३४ दबाया। स्क्रीन पर 'गलत पासवर्ड' दिखाई दिया। फिर उसने ०००० की कोशिश की, लेकिन फोन फिर भी नहीं खुला। उसने रिजु की जन्मतिथी भी टाइप करके देख लिया १०-१०-९७.

"ओय!"

ये रिजू की आवाज़ थी।

“मैंने अपने फोन को एक पासवर्ड के साथ बंद कर रखा है,” उसने कहा, “और मैं इसे छोटी जासूस लड़कियों को नहीं बताती।”

मंजू ने खिसियाकर उसे ज़बान चिढ़ा दी।

“लेकिन तुम देख सकती हो कि पासवर्ड बहुत महत्वपूर्ण क्यों हैं, मंजू?” रिजु ने कहा। “वो उन चीज़ों की कुंजी हैं जिन्हें हम निजी रखना चाहते हैं।”
“हाँ दीदी,” मंजू ने कहा। “लेकिन मैं केवल कुछ गेम खेलना चाहती थी!”

“तो तुमको केवल मुझसे पूछना था!” रिजु ने पासवर्ड टाइप करते हुए कहा, “आओ तुमको एक नया खेल दिखाऊँ- पासवर्ड का अनुमान लगायें!”

मंजू के साथ खोलिए

यह खेल आपको पासवर्ड के सुराग देता है। देखते हैं कि आप अनुमान लगा पाते हैं कि नहीं।

फ़ोन पासवर्ड

१. मंजू अपने बहन की तुलना में नौ साल छोटी है। यदि मंजू अपना जन्म वर्ष अपना पासवर्ड चुनती है, तो क्या होगा?

२. अगर रिजु का पासवर्ड उसकी जन्म तिथि है, तो यह होगा...

३. पहला पासवर्ड याद करो जिससे मंजू ने रीजू के फोन को खोलने की कोशिश की थी? उसका उल्टा क्या होगा?

उत्तर:

१. २००८ २. १०१०९७ ३. ४३२१

यहाँ कुछ बातें रखी हैं पासवर्ड के विषय में कि क्या करें और क्या ना करें:
१. ऐसा पासवर्ड न रखें जो बहुत छोटा हो (जैसे-१२३, xyz, abcd आदि कमज़ोर पासवर्ड हैं)

२. अपना पासवर्ड याद रखें ताकि आपको उसे लिखना न पड़े। यदि आप इसे कहीं लिखते हैं, तो कोई दूसरा व्यक्ति उसे खोज लेने में सक्षम हो सकता है।

३. बड़े या अप्पर केस और छोटे या लोवर केस के अक्षरों को मिलकर पासवर्ड बनाना चाहिए। (जैसे coMpUter)

४. उन शब्दों का प्रयोग करने से बचना चाहिए जिनका आसानी से अनुमान लगाया जा सके जैसे- आपके स्कूल, कुत्ते या शहर का नाम।
पासवर्ड का उपयोग हमारे मोबाइल फ़ोन, कंप्यूटर, बैंकों में सुरक्षित तिजोरी, वेबसाइट पर हमारे खाते और कई अन्य चीज़ों को खोलने के लिए किया जाता है।

अंगुली की छाप और आँखों की पुतली यानि रेटिना स्कैन का उपयोग पासवर्ड के रूप में भी किया जाता है इन्हें बायो-मीट्रिक पासवर्ड कहा जाता है।

पासवर्ड सेट करने का एक अन्य आम तरीका स्क्रीन पर पैटर्न का उपयोग करना है, जैसे:

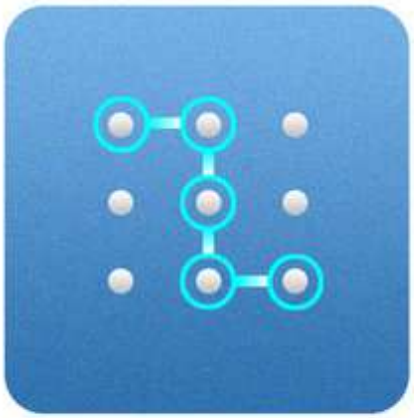
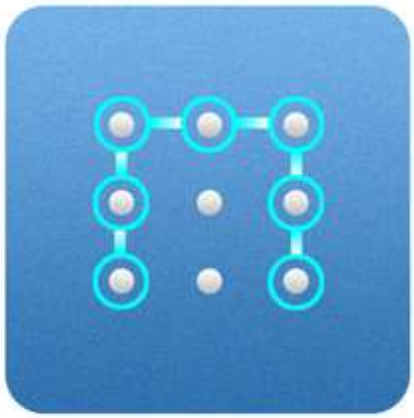

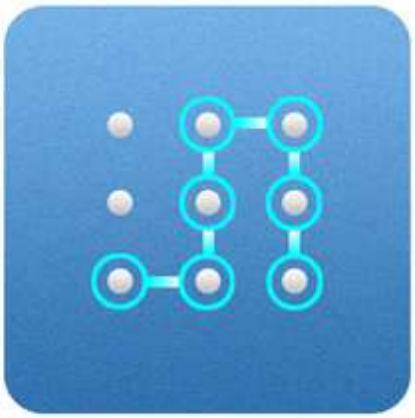

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: पासवर्ड क्या है! is translated by Sadaf Jafar . The © for this translation lies with Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Password, please?', by Vahishta Mistry . © Pratham Books , 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

Password, please?' has been published on StoryWeaver by Pratham Books. The development of this book has been supported by CISCO. www.prathambooks.org Guest Art Director: Priti Rajwade

Images Attributions:

Cover page: A girl and a woman with a laptop by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: A girl waving to a man, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: A man sitting across a girl and woman, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: A hand holding a key, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: A woman, a child and a cat by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: A cat, rangoli, and baskets by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: A woman talking, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: A girl and a woman talking, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 11: A cat and a laptop, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: A cat and a phone, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

A Corporate Social Responsibility Initiative

The development of this book has been supported by CISCO.

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 13: A finger typing a password, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Typing passwords, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: A woman holding a phone, a girl sticking her tongue out, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: A girl wondering about something, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: A locked house and a key, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: Pattern lock, by Radhika Tipnis © Pratham Books, 2018. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

CISCO A Corporate Social Responsibility Initiative

The development of this book has been supported by CISCO.

पासवर्ड क्या है!

(Hindi)

मंजू अपनी बहन के मोबाइल फोन पर खेल खेलना चाहती है। इस पुस्तक में पाठकों को पासवर्ड की अवधारणा से अवगत कराया गया है ताकि वे अपनी जानकारियों को सुरक्षित रख सकें। तो चलिए, किताब खोलिए और पढ़िए, इसके लिए कोई पासवर्ड कि ज़रुरत थोड़ी ही है!!!

This is a Level 3 book for children who are ready to read on their own.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!

This book is shared online by Free Kids Books at https://www.freekidsbooks.org
in terms of the creative commons license provided by the publisher or author.

Want to find more books like this?

https://www.freekidsbooks.org

Simply great free books -

Preschool, early grades, picture books, learning to read,
early chapter books, middle grade, young adult,
Pratham, Book Dash, Mustardseed, Open Equal Free, and many more!

Always Free – Always will be!

Legal Note:

This book is in CREATIVE COMMONS - Awesome!! That means you can share, reuse it, and in some cases republish it, but only in accordance with the terms of the applicable license (not all CCs are equal!), attribution must be provided, and any resulting work must be released in the same manner.

Please reach out and contact us if you want more information: https://www.freekidsbooks.org/about

Image Attribution: Annika Brandow, from You! Yes You! CC-BY-SA.
This page is added for identification.